Worksheet-9 Subject: - Hindi Class: - III Teacher: - Mrs. Puja Sehgal

Name: ______________ Class & Sec: _______________ Roll No. ______ Date: 04.05.2020

2 ऐसे थे बापू

पाठ की सीख
- छोटी वस्तुओं की [illegible]
- वचन निभाना
- सादा जीवन

महात्मा गाँधी हमारे राष्ट्रपिता थे। सभी भारतवासी प्यार से उन्हें बापू कहते थे। एक दिन बापू साबरमती आश्रम में कुछ ढूँढ़ रहे थे। कभी वे मेज़ के आस-पास ढूँढ़ते तो कभी मेज़ पर रखी वस्तुओं में ढूँढ़ने लगते। उनके मित्र काका कालेलकर भी उस समय वहीं थे। उन्होंने पूछा–"बापू, आप क्या ढूँढ़ रहे हैं?" "भाई, एक पेंसिल थी। पता नहीं कहाँ खो गई? अभी कुछ देर पहले तो यहीं थी, पर अब नहीं मिल रही है।" - बापू ने कहा।

काका कालेलकर ने अपनी जेब से एक नई पेंसिल निकाली और बापू को देते हुए कहा–"यह लीजिए बापू, मेरे पास नई पेंसिल है। आप तब तक इस पेंसिल से काम कर लीजिए।"

बापू ने कहा–"नहीं काका, मुझे तो अपनी वही पेंसिल चाहिए। जब तक वह पेंसिल नहीं मिलेगी, तब तक मुझे चैन नहीं पड़ेगा।" काका ने पूछा–"बापू, उस पेंसिल में ऐसी क्या खूबी है जिसके लिए आप इतना परेशान हो रहे हैं?" बापू बोले–"वह पेंसिल मेरे लिए बहुमूल्य है, क्योंकि उस पेंसिल के साथ एक छोटे-से बच्चे का प्यार जुड़ा है। मैं उस पेंसिल को ढूँढ़कर ही दम लूँगा।"

संकेत–इस पाठ के द्वारा बच्चों को अच्छी आदतें सीखने के लिए प्रेरित कीजिए। उन्हें बताइए कि बापू छोटी से छोटी ... भी कद्र करते थे। वे अपना वचन निभाना अच्छी तरह जानते थे।

बापू की बात सुनकर काका भी उनके साथ पेंसिल ढूँढ़ने में लग गए। कुछ देर बाद बापू को एक फ़ाइल में रखी वह पेंसिल मिल गई। उन्होंने वह छोटी-सी पेंसिल काका को दिखाई और कहा–"देखिए काका! यह रही वह पेंसिल। अब मैं चैन से काम कर पाऊँगा।" पेंसिल को देखकर काका हैरान रह गए। वे बोले–"बापू, यह पेंसिल तो दो इंच से भी छोटी है। आप इसके लिए इतना बेचैन हो रहे थे!" बापू बोले–"काका, उस बच्चे ने पेंसिल देते समय मुझसे वचन लिया था कि मैं इस पेंसिल को हमेशा अपने पास रखूँगा। आज अगर यह पेंसिल खो जाती तो मेरा वचन टूट जाता।"

बच्चो, गाँधी जी के मन में बच्चों के लिए विशेष प्रेम था। साथ ही देशवासियों के प्रति कर्तव्यबोध एवं स्नेह की भावना थी। वे सादा जीवन व्यतीत करने में विश्वास रखते थे और छोटी-से-छोटी वस्तुओं का महत्त्व समझते थे।

पाठ २ : ऐसे थे बापू

श्रुतलेख

1. राष्ट्रपिता
2. आश्रम
3. ढूँढ़ने
4. साबरमती
5. बहुमूल्य
6. पेन्सिल
7. कालेलकर
8. विशेष
9. प्रेम
10. कर्तव्यबोध
11. स्नेह
12. विश्वास

	शब्द	**अर्थ**
1.	खूबी	विशेषता
2.	विशेष	खास
3.	बहुमूल्य	बहुत कीमती
4.	स्नेह	प्यार
5.	व्यतीत	बिताना
6.	विश्वास	भरोसा
7.	कर्तव्यबोध	जिम्मेदारी की भावना